मूल्य 1 रु.
वर्ष: 9 - अंक : 217, मुंबई, सोमवार, 11 नवंबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

मंझधार में महाराष्ट्र

बीजेपी ने राज्यपाल से कहा- हम अकेले नहीं बना सकते सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार गठन का मामला और उलझ गया है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने राज्यपाल से मिलकर कहा है कि वो महाराष्ट्र में अकेले सरकार नहीं बना सकती। महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील अपने विधायकों के साथ बैठक की और उसके बाद राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

राजनीतिक संकट बरकरार

बता दें कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को सौंपा था। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल नौ नवंबर को समाप्त हो गया और नए चुनाव के बाद राज्य में अभी तक कोई सरकार गठित नहीं हो पाई है। चुनाव में बीजेपी-शिवसेना गठबंधन ने जीत हासिल की है, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी खींचतान के कारण राज्य में राजनीतिक संकट की स्थिति बरकरार है।

शिवसेना को सरकार बनाने का न्योता

राकांपा बोली- एनडीए से नाता तोड़ने पर उद्धव को समर्थन देने पर विचार करेंगे

संवाददाता

मुंबई। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने रविवार शाम राज्य की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी शिवसेना से सरकार बनाने का न्योता दिया। इससे पहले राज्यपाल ने शनिवार को भाजपा से पूछा था कि सरकार बनाने के बारे में क्या इच्छा है। लेकिन, पार्टी ने रविवार को सरकार गठन से इनकार कर दिया था। भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि शिवसेना ने हमारे साथ सरकार का गठन न करके जनादेश का अपमान किया। रविवार को कांग्रेस और शिवसेना ने भी अपने विधायकों की बैठक बुलाई। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

शिवसेना को हमारी शुभकामनाएं- भाजपा

चंद्रकांत पाटिल ने कहा- राज्यपाल ने नई सरकार के गठन के लिए भाजपा को न्योता दिया। शिवसेना ने जनादेश का निरादर करते हुए अनिच्छा जाहिर की। हमने राज्यपाल को बता दिया है कि हम सरकार नहीं बनाएंगे।

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

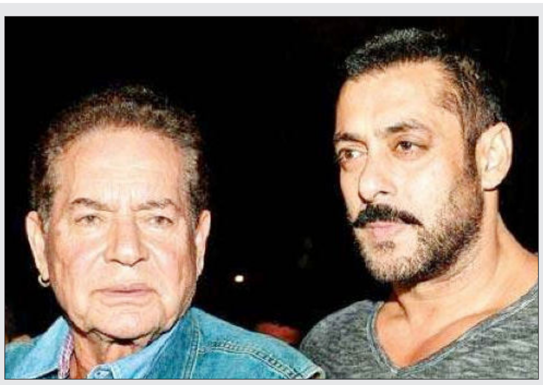

अयोध्या फैसले पर बोले सलीम खान...

हमें मस्जिद की जरूरत नहीं, 5 एकड़ में स्कूल बनवा दें

मुंबई। सालों से चल रहे अयोध्या मामले पर आखरिकार सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दे दिया। शनिवार को कोर्ट ने अयोध्या मामले पर विवादित जमीन रामलला को सौंपने का फैसला सुनाया, जबकि मस्जिद के निर्माण के लिए अलग से 5 एकड़ जमीन देने का फैसला सुनाया। इस फैसले का स्वागत पूरे देश में किया गया। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

बेमौसम बारिश ने ली युवक की जान

भिवंडी। शुक्रवार की सुबह हुई बेमौसम बारिश के कारण भिवंडी की सड़कों पर गड्ढों में पानी भर जाने एवं सड़कों पर हुई कीचड़ के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ठाणे कोचिंग क्लास में पढ़ने जा रहे एक छात्र की मोटरसाइकल राजनोली नाका के पहले ही कीचड़ में फंसकर फिसल गई। इससे उसकी मौत हो गई। बेमौसम बारिश को लेकर शहर के नागरिकों को मनपा द्वारा पहले ही सतर्क रहने का अनुरोध किया गया था, लेकिन शुक्रवार की सुबह लगभग साढ़े छह बजे से शुरू हुई रिमझिम बारिश से शहर की सड़कों पर हुए गड्ढों में पानी भर गया और सड़कों पर कीचड़ से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पानी की निकासी की कोई व्यवस्था न होने के कारण आनंद दिघे चौक के सामने मनपा मुख्यालय के गेट के पास पानी भरा रहा। अशोकनगर जैसे पॉश इलाके की सड़कों पर गड्ढों में पानी भरा रहा और पूरी सड़क पर कीचड़ रहा। इससे लोगों ने परेशानियों का सामना करना पड़ा। राजनोली नाके के पास मोटरसाइकल से फिसलकर गिरने से एक छात्र राजिक शाहिद (20) की मौत हो गई। भिवंडी के यहिया कंपाउंड का रहने वाला राजिक पढ़ने जा रहा था।

बारिश ने तोड़ा 39 साल का रेकॉर्ड

मुंबई। मुंबई में हुई बेमौसम बारिश से न केवल लोगों को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि बारिश का एक रेकॉर्ड भी टूट गया। नवंबर के सिर्फ पहले हफ्ते में ही मुंबई में अब तक 109.3 एमएम बारिश दर्ज हो चुकी है। यह इस महीने में अब तक की सबसे ज्यादा बारिश है। इससे पहले 1979 में नवंबर में 101.3 एमएम बारिश हुई थी।
शुक्रवार तड़के न केवल मुंबई में, बल्कि ठाणे और पालघर में भी जमकर बारिश हुई। शुक्रवार की सुबह 8.30 बजे तक सांताक्रुज में 32.6 एमएम बारिश दर्ज हुई। रुक-रुक कर पूरे दिन बारिश होती रही। शाम तक सांताक्रुज में 30.4, जबकि कोलाबा में 3.5 एमएम बारिश दर्ज हुई।

लड़खड़ाई मध्य रेलवे, पीक आवर्स में हुई परेशानी

मुंबई। शुक्रवार को मध्य रेलवे की मेन लाइन और ट्रांसहार्बर लाइन पर तकनीकी खराबी के कारण करीब एक घंटे तक ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहा। मेनलाइन पर सुबह 6:10 बजे माटुंगा के करीब पॉइंट फेल हो गया। इसे 20 मिनट बाद सुधार लिया गया, लेकिन इसकी वजह से पीक आवर्स शुरू होते ही ट्रेनों पर प्रभाव दिखाई देने लगा। सुबह 9-10 बजे तक ट्रेनें देरी से चल रही थीं, इसकी वजह से स्टेशनों पर भीड़ बढ़ने लगी। एक ओर मेनलाइन पर परेशानी खत्म ही नहीं हुई दूसरी ओर ट्रांसहार्बर लाइन पर ऐरोली से रबाले के बीच तकनीकी गड़बड़ी हो गई। सुबह 7:15 बजे हुई इस गड़बड़ी को 8:40 बजे सुधारा गया। इस खराबी के कारण ट्रांसहार्बर लाइन पर सुबह का पीक आवर्स खराब हो गया। इन दोनों गड़बड़ियों से रेलवे को करीब 25 सेवाएं रद्द करनी पड़ीं।

ठाणे में जमकर हुई बारिश

ठाणे। बेमौसम बारिश ने ठाणे शहर की चाल बिगाड़ दी। ठाणे शहर, मुंब्रा, दिवा और शीलफाटा के विभिन्न इलाकों में पानी जमा हो गया, इससे लोगों को काफी परेशानी हुई। सड़कों पर पानी भरने से यातायात प्रभावित रहा। मनपा आपदा प्रबंधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार से शुक्रवार शाम तक चौबीस घंटे में शहर में कुल 63.48 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। शहर के कई निचले इलाकों में पानी भरा था, जो बाद में निकल गया। इससे लोगों ने राहत की सांस ली। पता हो कि ठाणे शहर में इस साल अब तक कुल 4566.86 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है।

सीएम पद से इस्तीफे के बाद बोले फडणवीस, 'हमसे नहीं, एनसीपी से चर्चा करती रही शिवसेना'

मुंबई। महाराष्ट्र में नतीजों के बाद से जारी राजनीतिक बयानबाजी के बीच राज्य के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने आज अपना इस्तीफा राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को सौंप दिया। इस्तीफा देने के बाद फडणवीस ने शिवसेना पर जमकर हमला बोला। शिवसेना के '50-50' फॉर्मूले के तहत ढाई-ढाई साल के लिए दोनों दलों के सीएम की मांग को गलत बताते हुए फडणवीस ने कहा कि इसपर कभी कोई फैसला नहीं हुआ था। सहयोगी शिवसेना पर तीखे हमले करते हुए फडणवीस ने कहा कि चुनाव हमारे साथ जीतकर आई शिवसेना और बातचीत एनसीपी से करती रही। फडणवीस अभी कार्यकारी सीएम बने रहेंगे।

महाराष्ट्र के राजभवन में इस्तीफा देने जाते वक्त फडणवीस के साथ बीजेपी के कुछ अन्य नेता भी मौजूद थे।

शिवसेना की सीएम पद की मांग को लेकर गतिरोध जारी रहने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि अगली सरकार कौन बनाएगा। हालांकि, बीजेपी के नेता लगातार दावा कर रहे हैं कि शिवसेना के साथ ही सरकार बनेगी और देवेंद्र फडणवीस ही दोबारा मुख्यमंत्री बनेंगे।

इस्तीफे के बाद फडणवीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा, 'चुनाव में हमें थोड़ी कम सीटें आईं। उद्धव ठाकरे ने अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि वह सरकार बनाने को तैयार हैं। मेरा भी मानना है कि यह जनादेश एनडीए को मिला है। मैं यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि ढाई-ढाई साल सीएम की कोई बात नहीं हुई थी। ना ही कभी यह तय हुआ कि ढाई-ढाई साल दो सीएम रहेंगे। मैंने पार्टी अध्यक्ष अमित शाह और नितिन गडकरी से भी इस बारे में पूछा लेकिन उन्होंने भी सीएम पर 50-50 फॉर्मूले पर किसी भी तरह के फैसले से इनकार किया।'

फडणवीस ने आगे कहा, 'अगर ऐसी कोई बात होती तो हम बात करके उसका हल निकाल लेते लेकिन शिवसेना ने चर्चा ही रोक दी। शिवसेना सिर्फ सीएम पद को लेकर बात करना चाहती है।

अयोध्या फैसला : मुंबई में 40,000 पुलिसकर्मी तैनात

मुंबई। राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद मामले में उच्चतम न्यायालय का फैसला आने के मद्देनजर मुंबई में कम से कम 40,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इस मामले में फैसला शनिवार को आ रहा है। ड्रोन और सीसीटीवी के जरिए पुलिस नियंत्रण कक्ष से स्थिति पर नजर रखी जाएगी।

अयोध्या में विवादित ढांचा गिराए जाने के बाद दिसंबर 1992 और जनवरी 1993 में वित्तीय राजधानी में साम्प्रदायिक दंगे हुए थे। डीएसपी प्रणय अशोक ने कहा, हम किसी भी संभावित घटना से निपटने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस शहर में हर गतिविधि पर करीबी नजर रख रही है और एसआरपीएफ, दंगा रोधी पुलिस और त्वरित कार्रवाई बल भी तैनात किया जाएगा। डीसीपी ने कहा, हम अपनी सोशल मीडिया इकाई के जरिए ऑनलाइन गतिविधियों पर भी नजर रख रहे हैं। हम आपत्तिजनक पोस्ट्स और सामग्री को ब्लॉक कर देंगे ताकि कोई अफवाह न फैल पाए। एक अधिकारी ने स्पष्ट किया कि अभी के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद नहीं की गयी है। उन्होंने कहा, पुलिस स्थिति के आधार पर फैसला लेगी। स्कूलों में अवकाश घोषित करने के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी ने कहा, हमने स्कूल शिक्षा विभाग को सूचित कर दिया है। दिवाली की छुट्टियों के कारण कुछ स्कूल पहले ही बंद हैं जबकि बाकी पर स्थिति के अनुसार फैसला लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि लोगों को एकत्रित होने से रोकने वाली सीआरपीसी की धारा 144 शहर में लागू नहीं की गयी है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि मुंबई में महाराष्ट्र पुलिस कानून 1951 के तहत चार नवंबर से 18 नवंबर तक पहले ही लोगों के गैरकानूनी रूप से एकत्रित होने पर पाबंदियां हैं।

कामा अस्पताल में आई नई सोनोग्राफी मशीन

मुंबई। सीएसटी स्थित महिलाओं के विशेष अस्पताल में सोनोग्राफी की नई मशीन लाई गई है। अस्पताल प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम से अस्पताल में सोनोग्राफी शुरू भी हो गई। बता दें कि अस्पताल की सोनोग्राफी मशीन बंद होने के कारण गर्भवती महिलाओं को बाहर जाना पड़ रहा था। इस मामले को नवभारत टाइम्स के बुधवार के संस्करण में प्रमुखता से उठाया गया था।

मिली जानकारी के अनुसार बंद पड़ी मशीन की खबर मिलते ही आनन-फानन में जेजे अस्पताल की डीन डॉ.पल्लवी सापले ने एक बैठक बुलाई। बैठक में नई मशीन तत्काल लगाने का निर्देश संबंधित लोगों को दिया गया। डॉ. सापले ने बताया कि इसके लिए दिल्ली से नई सोनोग्राफी मशीन मंगाई गई, चूंकि पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत मशीन के लिए बीएमसी से प्रमाण पत्र लेना जरूरी होता है, इसलिए मेडिकल एजुकेशन सेक्रेटरी डॉ. संजय मुखर्जी ने बीएमसी से इस पर बात की। नतीजतन तुरंत प्रमाण पत्र मिल गया।

कामा अस्पताल की सुपरिटेंडेंट डॉ. अमिता जोशी ने कहा कि उच्च अधिकारियों के सहयोग से शुक्रवार दोपहर बाद से सोनोग्राफी शुरू हो गई। बता दें कि कामा अस्पताल महिलाओं और बच्चों का विशेष अस्पताल है, जहां न केवल मुंबई बल्कि राज्य के कोने-कोने से मरीज इलाज के लिए आते हैं।

लंदन में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी

मुंबई। अलग-अलग शिपिंग कंपनी के बहाने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने के आरोप में दो लोगों को सहार एयरपोर्ट के पास से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी कार्तिकेय रामास्वामी और कालीदास नटराजन तमिलनाडु के मूल निवासी हैं। क्राइम ब्रांच की यूनिट-8 के सीनियर इंस्पेक्टर अजय जोशी ने बताया कि इन आरोपियों ने तमिलनाडु के लोगों को ही ठगा। इन दोनों ने चार प्रतिष्ठित शिपिंग कंपनी के नाम पर लोगों से संपर्क किया। इन शिपिंग कंपनियों को विदेश मंत्रालय से लाइसेंस मिलता है।

इसके बाद यह कंपनियां लोगों को उऊउ दे सकती हैं। उऊउ एक तरह से पासपोर्ट जैसा होता है। दोनों आरोपियों ने लोगों को अलग-अलग शिपिंग कंपनियों के फर्जी लेटरहेड पर अपॉइंटमेंट लेटर्स भेजे और फिर उन्हें उऊउ लेने के लिए मुंबई बुलाया। बताया कि वह इसके बाद लंदन जा सकते हैं।

मुंबई में इन्हें सभी से पांच-पांच लाख रुपये लेने थे। इन्होंने वादा किया था कि इसके बाद वे उऊउ देंगे। इंस्पेक्टर दीपक सावंत को इसकी टिप मिली और फिर दोनों गिरफ्तार कर लिए गए। अजय जोशी ने बताया कि कुछ दिनों से इसी तरह की मोडस ऑपरेंडी वाले वह एक और केस की भी जांच कर रहे थे। उसमें भी शुक्रवार को गिरफ्तार एक आरोपी का नाम सामने आया था।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक- **दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

अयोध्या मामले पर फैसले का श्रेय बीजेपी नहीं ले सकती: उद्धव ठाकरे

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा नीत केन्द्र सरकार अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट के बहुप्रतीक्षित फैसले का 'श्रेय' नहीं ले सकती। ठाकरे ने संवाददाओं से कहा,'हमने सरकार से (अयोध्या में भव्य) राम मंदिर के निर्माण पर एक कानून बनाने का अनुरोध किया था लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट फैसला सुनाने जा रहा है तो सरकार इसका श्रेय नहीं ले सकती (अगर फैसला मंदिर के पक्ष में आया तो भी)। गौरतलब है कि राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट शनिवार को अपना फैसला सुनाएगा।

इससे पहले एक-दूसरे के सहयोगी रहे बीजेपी और शिवसेना के आपसी संबंध इन दिनों तल्ख हैं। हाल ही में विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद दोनों पार्टियां मुख्यमंत्री की जिद पर अड़ी हुई हैं और इसके चलते महाराष्ट्र में नई सरकार का गठन नहीं हो पा रहा है। बीजेपी ने जब 2.5-2.5 साल बीजेपी और शिवसेना के मुख्यमंत्री की बात नहीं मानी है तो शुक्रवार को शिव सेना ने अब अन्य विकल्पों पर जाने का इशारा कर दिया है। इस बीच शुक्रवार को ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपना इस्तीफा राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को सौंप दिया। राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने के बाद फडणवीस ने शिवसेना पर जमकर हमला बोला। शिवेसना के '50-50' फॉम्युर्ले के तह ढाई-ढाई साल के लिए दोनों दलों के सीएम की मांग को गलत बताते हुए फडणवीस ने कहा कि इसपर कभी कोई फैसला नहीं हुआ था।

पश्चिम रेलवे पर महिला पर हमला

मुंबई। शुक्रवार को एनबीटी ने मुख्य पृष्ठ पर खबर प्रकाशित की थी कि 45% महिलाओं के साथ रेलवे स्टेशनों या ट्रेन में छेड़छाड़ होती है। एमआरवीसी के सर्वे में यह बात सामने आई थी जिनकी ओर से आधारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की गई। लेकिन सर्वे की पुष्टि पश्चिम रेलवे पर हुई एक घटना से होती है। पश्चिम रेलवे पर चलती लोकल में एक 23 वर्षीय महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। इसकी शिकायत अंधेरी जीआरपी में दर्ज हुई है। जानकारी के अनुसार दीपिका गणेश जक्कन 4 नवंबर को अंधेरी से माहिम जाने के लिए ट्रेन पकड़ी थी। दीपिका ट्रेन के गेट पर खड़ी थी। ट्रेन जैसे ही विलेपार्ले से क्रॉस हुई, सिग्नल पर खड़े किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी छाती पर जोर से मारा। दीपिका ने जीआरपी को बताया कि अचानक हुए इस हमले के कारण उसके हाथ से मोबाइल छूटकर पटरी पर गिर गया। इस मोबाइल की कीमत 45 हजार रुपये थी। दीपिका ने जीआरपी को बताया कि पीक आवर्स में ट्रेन में इतनी भीड़ होती है, कि न चाहते हुए भी गेट पर खड़े होकर यात्रा करनी पड़ती है।

सौतेले पिता ने नाबालिग बेटियों से बलात्कार, एनजीओ की मदद से गिरफ्तार

मुंबई। सौतेली नाबालिग बेटियों से बलात्कार के आरोप में अग्रीपाडा पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। 13 और 15 साल की किशोरियों ने एक एनजीओ की मदद से पुलिस को आपबीती सुनाई। इसके बाद बांद्रा में मजदूरी करने वाले 35 वर्षीय आरोपी सौतेले पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस इस मामले में दोनों लड़कियों की मां को भी गिरफ्तार कर सकती है।

पुलिस के अनुसार, भायखला के अग्रीपाडा इलाके में पीड़िता परिजन के साथ रहती थीं। उनके पिता की बहुत पहले मौत हो गई थी तो मां ने दूसरी शादी अंसार माहिमी से कर ली। अग्रीपाड़ा पुलिस के अनुसार, सौतेले पिता अंसार की ज्यादती व शारीरिक शोषण से परेशान होकर दोनों बहनें मुंब्रा स्थित अपने रिश्तेदार के घर रहने चली गईं, जहां एक दिन उन्होंने रिश्तेदार को अपने सौतेले पिता की कारस्तानी बता दी। रिश्तेदार ने जब यह बात अंसार और उसकी पत्नी को बताई तो उन्होंने ऐसी किसी घटना के होने से इनकार करते हुए पीड़िता पर झूठा आरोप लगाने की बात कही।

रिश्तेदार को अंसार और उसकी पत्नी की बातों पर यकीन नहीं हुआ और उन्होंने एक एनजीओ की मदद ली। एनजीओ ने किशोरियों से बात कर घटना की पुष्टि की और अग्रीपाडा पुलिस का रुख किया। अग्रीपाडा पुलिस ने दोनों बहनों की शिकायत के आधार पर अंसार के खिलाफ बलात्कार, जान से मारने की धमकी और पॉक्सो ऐक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत 11 अक्टूबर को मामला दर्ज किया। पुलिस द्वारा मामला दर्ज किए जाने की खबर सुनने के बाद आरोपी अंसार भायखला से फरार हो गया। उसके मालाड के कुरार विलेज में छिपकर रहने की सूचना मुखबिरों ने अग्रीपाड़ा पुलिस को दी। पुलिस ने एक खास टीम बनाकर कुरार में छापामारी कर आरोपी अंसार को बीती रात गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि अंसार की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में उसकी पत्नी को भी पुलिस गिरफ्तार कर सकती है। घटना की जांच अग्रीपाडा पुलिस कर रही है।

हाइवे पर पकड़ा गया 16 लाख का गुटखा, दो गिरफ्तार

मुंबई। कासा पुलिस ने गुरुवार शाम मुंबई अहमदाबाद हाइवे स्थित चारोटी नाका के पास गुटखे से भरा टेंपो जब्त किया है, बरामद माल की कीमत 16 लाख रुपये बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम 5 बजे कासा पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक आनंद काले को सूचना मिली कि गुटखे से भरा एक टेंपो मुंबई की तरफ जा रहा है। सूचना के बाद काले की टीम ने चारोटी टोल नाका के पास वाहनों की तलाशी लेनी शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस नेटेंपो क्रमांक एम एच 04, जे यू 5942 को कब्जे में लेकर तलाशी ली तो उसमें लाखों रुपये का गुटखा मिला।

पुलिस ने मामले में टेंपो चालक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

43 प्रतिशत बीएमसी स्टूडेंट्स के दांत खराब

मुंबई। बीएमसी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों में दांत की समस्या सबसे आम है। रिपोर्ट के अनुसार, 2018-19 में 2.26 लाख स्टूडेंट्स की स्क्रीनिंग की गई थी, इसमें से 96 हजार बच्चों में किसी न किसी तरह की दांत की समस्या पाई गई। हाल ही में प्रजा फाउंडेशन ने बीएमसी स्कूल और आंगनवाड़ी के बच्चों के स्वास्थ्य पर रिपोर्ट जारी की थी, जिसके अनुसार, स्टूडेंट्स में दांत की समस्या सबसे बड़ी चुनौती रही।

विशेषज्ञों के अनुसार, दांतों में दिक्कत का सबसे बड़ा कारण दिन में दो बार ब्रश न करना और ऐसे उत्पादों का सेवन करना जो दांतों के लिए अनुकूल नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, स्कूल में पढ़ने वाले काफी बच्चों में खून की कमी और विटामिन की कमी होने की बात भी सामने आई। बता दें कि बीएमसी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के बेहतर सेहत के लिए प्रशासन की तरफ से धन तो आबंटित किया जा रहा है, लेकिन इसका इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है, जिसके कारण समस्या बरकरार है।

अयोध्या फैसला: मुंबई दरगाह के न्यासी ने शांति की अपील की

मुंबई। अयोध्या मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के मद्देनजर हाजी अली तथा माहिम दरगाह के न्यासी ने और 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम विस्फोट मामले के सरकारी गवाह ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। विस्फोट मामले में सरकारी गवाह बने उस्मान जान खान ने अपील की कि मुस्लिम समुदाय को इस फैसले को खुले दिल से स्वीकार करना चाहिए। उस्मान ने विस्फोट मामले में टाइगर मेनन जैसे गैंगस्टर की भूमिका का खुलासा किया था।

वहीं माहिम दरगाह के प्रबंधक न्यासी और हाजी अली दरगाह के न्यासी सुहैल खांडवानी ने विभिन्न समुदायों से अपील की कि वह शीर्ष अदालत के फैसले को स्वीकार करें और राष्ट्रीय एकता बनाने के लिए मिलकर काम करें। उन्होंने कहा, हमें विभाजनकारी ताकतों को इस नाजुक हालात का फायदा उठाने से रोकना होगा और गड़बड़ी फैलाने के उनके प्रयासों को खत्म करना होगा। शांति तथा सद्भाव कायम रखना और एक दूसरे की आस्था का सम्मान करना वक्त की जरूरत हैं।

अयोध्या फैसलाः उद्धव ठाकरे 24 नवंबर को अयोध्या जाएंगे, कहा- आडवाणी से मिलकर लूंगा आशीर्वाद

उद्धव ने कहा- पिछले साल शिवनेरी की मिट्टी लेकर अयोध्या गए थे, इसी का चमत्कार है कि एक साल में फैसला आ गया

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या विवाद पर शनिवार को अपना फैसला सुना दिया। फैसला आने के बाद शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, पार्टी ने अयोध्या मुद्दे को कभी नहीं छोड़ा। बाला साहब के वक्त से पार्टी अयोध्या में राम मंदिर की मांग कर रही है। 24 नवंबर को शिवसैनिकों के साथ फिर रामलाल के दर्शन के लिए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा, पिछले साल 24 नवबंर को वे शिवसेना सांसदों और नेताओं के साथ अयोध्या गए थे। तब वहां शिवनेरी की मिट्टी लेकर गए थे। इस मिट्टी का ही चमत्कार है कि एक साल के अंदर कोर्ट ने इस पर फैसला दिया। उद्धव ने इसे भारतीय अस्मिता की जीत बताया। उद्धव ने विश्व हिन्दू परिषद् के नेता रहे दिवंगत अशोक सिंघल, भाजपा नेता दिवंगत प्रमोद महाजन, गोपीनाथ मुंडे और भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भी याद किया। उन्होंने कहा कि वे जल्द आडवाणी जी से भी मुलाकात कर उनसे आशीर्वाद लेंगे। उन्होंने आगे कहा, वहां (अयोध्या) में एक ऐसी शक्ति है, जिसे मैंने महसूस किया। इसलिए अब मैं बार-बार वहां जरूर जाऊंगा। जन्मभूमि का विवाद अब खत्म हो गया। आज एक हिंदू को न्याय मिला, इसकी खुशी है।

गडकरी और फडणवीस ने फैसले का स्वागत किया: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, कोर्ट ने जो फैसला दिया है उसे एक लोकतांत्रिक देश होने के नाते सभी को स्वीकार करना चाहिए। देश में शांति और सद्भाव कायम रखना चाहिए।' वहीं, फडणवीस ने कहा- कोर्ट के आदेश से भारतीय मूल्यों को मजबूती मिली। इसमें किसी की जीत और किसी की हार नहीं हुई। यह निर्णय भारतीय आस्था को मजबूत करने वाला है।

पवार ने कहा- फैसले से गंभीर चिंता का समाधान: राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कहा कि अयोध्या विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले एक गंभीर चिंता का समाधान करेगा, जो देश को परेशान कर रही थी। उन्होंने कहा, न्यायपालिका ने समाज के सभी वर्गों के हितों के संरक्षण की बात की। यह अच्छी बात है।

शिवनेरी में हुआ था छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म: शिवनेरी किला में 1627 छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मस्थान है। पिछले साल शिवनेरी किले में पूजन के बाद उद्धव ने यहां की मिट्टी एक कलश में ली और उसे लेकर अयोध्या गए थे। बचपन में जिस पालने में छत्रपति झूलते थे, वह आज भी किले की इमारत में मौजूद है। इसी किले पर बचपन में शिवाजी महाराज ने सैनिक शिक्षा पाई थी।

महाराष्ट्र कांग्रेस ने अपने 33 विधायकों को राजस्थान भेजा, 11 जयपुर में और 22 जोधपुर में ठहरे

मुंबई। महाराष्ट्र में चल रहे सियासी संकट के बीच कांग्रेस के विधायकों को खरीद फरोख्त से बचाने के लिए शुक्रवार को शाम जयपुर और जोधपुर में लाया गया। 11 विधायकों को दिल्ली रोड के रिसोर्ट ब्यूनो विस्ता में ठहराया गया है, जबकि 22 विधायकों को जोधपुर के रेडिसन होटल में रहने की व्यवस्था की गई है। इन दोनों होटलों के आसपास शाम से ही सुरक्षा व्यवस्था चौकस कर दी गई थी, जिससे मौके पर कोई व्यक्ति न पहुंच पाए। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे 11 विधायकों को लेकर फ्लाइट से जयपुर पहुंचे। जोधपुर में जिन विधायकों को ठहराया गया है, उन्हें शनिवार को जयपुर लाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार जयपुर में जिन 11 कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायकों को ठहराया गया है, उनमें पीएन पाटिल, संजय जगताप, संग्राम थोपते, आर पाटिल, चंद्रकांता जादेव सहित अन्य विधायक शामिल हैं। विधायकों के पहुंचने के पहले ही दिल्ली रोड के रिसोर्ट ब्यूनो विस्ता के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था

चौकस कर दी गई थी। राज्य सरकार की ओर से बड़ी संख्या में पुलिस की भी तैनाती कर दी गई। हालांकि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे, कैबिनेट मंत्री रघु शर्मा शर्मा, विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक महेश जोशी सहित विधायकों के साथ मौजूद रहे। रात नौ बजे के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी रिजार्ट में गए, जहां महाराष्ट्र से आए विधायकों के साथ ही डिनर किया। सीएम विधायकों के साथ करीब चार घंटे तक समय गुजारा। रात एक बजे वह रिजॉर्ट से अपने आवास के लिए निकले। अविनाश पांडे ने कहा कि राजस्थान हमेशा अतिथि का स्वागत करता है। महाराष्ट्र के विधायक यहां घूमने के लिए आये हुए हैं। भाजपा की ओर से कांग्रेस विधायकों को तोड़ने की कोशिश की जा रही थी। उन्हें प्रलोभन दिया जा रहा था। ऐसे में पार्टी ने विधायकों को महाराष्ट्र से राजस्थान लाने का निर्णय किया, जिससे उन्हें सुरक्षित रखा जा सके। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के चुनाव में कांग्रेस के 44 विधायक निर्वाचित हुए है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मंझधार में महाराष्ट्र

इस मुलाकात के दौरान उन्होंने राज्यपाल से कहा कि बीजेपी महाराष्ट्र में अकेले सरकार नहीं बना सकती। राज्यपाल से मुलाकात करने वालों में राज्य के कार्यकारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी शामिल थे। बीजेपी ने कहा, शिवसेना ने कहा कि जनादेश महायुती (गठबंधन) के लिए था और शिवसेना सरकार बनाने के लिए तैयार नहीं है, इसलिए हमने राज्यपाल को बताया है कि हम सरकार नहीं बना पाएंगे। असल में राज्यपाल कोश्यारी ने शनिवार शाम बीजेपी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया और पूछा कि क्या वह इसकी इच्छुक और इसमें सक्षम है। राज्यपाल ने यह कदम राज्य विधानसभा का कार्यकाल आधी रात को समाप्त होने से महज चार घंटा पहले उठाया था। बीजेपी हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

शिवसेना को सरकार बनाने का न्योता

कांग्रेस ने कहा कि शिवसेना के साथ नहीं जाएंगे। शिवसेना के प्रवक्ता संजय राउत ने कहा- पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा है कि मुख्यमंत्री शिवसेना का होगा। अगर उन्होंने कहा है तो हर कीमत पर मुख्यमंत्री शिवसेना का ही होगा। राउत ने कहा, उन्हें यह समझ नहीं आ रहा है कि अगर भाजपा के पास बहुमत था तो रिजल्ट आने के 24 घंटे में सरकार बनाने का दावा पेश क्यों नहीं किया। फिलहाल हमने किसी भी तरह के गठबंधन पर विचार नहीं किया है। अभी भाजपा को सरकार बनाने का निमंत्रण दिया गया है तो हम अपने संस्कारों के हिसाब से उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। मुझे नहीं लगता कि भाजपा सरकार बनाने के लिए बहुमत जुटा पाएगी। महाराष्ट्र के ज्यादातर कांग्रेस विधायक जयपुर पहुंच चुके हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनके साथ बैठक की। मुंबई के होटल रिट्रीट में उद्धव ठाकरे शिवसेना के 56 विधायकों के साथ बैठक की। शरद पवार की पार्टी राकांपा ने भी सरकार बनाने के लिए शिवसेना के साथ आने के संकेत दिए हैं। पार्टी ने राजनीतिक स्थिति पर चर्चा के लिए 12 नवंबर को विधायकों की बैठक बुलाई है। महाराष्ट्र कांग्रेस ने विधायक दल का नेता चुनने का फैसला कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी पर छोड़ दिया है। साथ ही पार्टी ने तय है कि सरकार बनाने के लिए वह शिवसेना के साथ नहीं जाएगी। जयपुर में रविवार को हुई महाराष्ट्र कांग्रेस विधायक दल की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में एक लाइन का प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें तय किया गया कि कांग्रेस का एनसीपी के साथ गठबंधन जारी रहेगा। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता मिलिंद देवड़ा ने रविवार को कहा- राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को राकांपा-कांग्रेस गठबंधन को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना चाहिए। महाराष्ट्र में सबसे बड़े दल भाजपा की तरफ से सरकार बनाने में असमर्थता जताने के बाद उन्होंने यह बयान दिया। उन्होंने कहा- जब भाजपा-शिवसेना गठबंधन ने सरकार बनाने में असमर्थता जता दी है, तो राकांपा-कांग्रेस को सरकार बनाने का आमंत्रण मिलना चाहिए। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि बीजेपी-शिवसेना राज्य में सरकार बनाएं। हमें जनता ने विपक्ष के लिए चुना है, हम विपक्ष में ही बैठेंगे। मेरे पास अभी कहने के लिए कुछ नहीं है। भाजपा-शिवसेना को लोगों का जनादेश मिला है, इसलिए उन्हें जल्द से जल्द सरकार बनानी चाहिए। हमारा जनादेश विपक्ष की भूमिका निभाना है। पवार ने कहा- अब केवल एक ही विकल्प है कि भाजपा और शिवसेना को मिलकर सरकार बनाना चाहिए।

अयोध्या फैसले पर बोले सलीम खान...

मशहूर स्क्रिप्ट राइटर और प्रोड्यूसर सलीम खान ने भी इस पर अपना रिएक्शन दिया है। सलीम खान ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा, 'अब अयोध्या विवाद के खत्म होने पर मुसलमानों को मोहब्बत और माफी इन दो सद्गुणों का पालन कर आगे बढ़ना चाहिए। मोहब्बत जाहिर करिए और माफ करिए। इस तरह के मामलों को रिवाइंड या रिकैप ना करें...बस यहां से आगे बढ़ें। सलीम ने कहा, अयोध्या मामले पर फैसला आने के बाद जिस तरह लोगों ने शांति और सामंजस्य बिठाया है, वह काबिले-तारीफ है। इस बात को स्वीकार करें कि एक बहुत पुराने विवाद का सुलह कर लिया गया है। मैं तहे दिल से इस फैसले का स्वागत करता हूं। मुसलमानों को इस मामले पर चर्चा नहीं करना चाहिए। बल्कि उन्हें अपनी बुनियादी समस्याओं और उनके हल पर चर्चा करनी चाहिए। यह मैं इसलिए बोल रहा हूं क्योंकि हमें स्कूलों की और अस्पतालों की जरूरत है। मेरी सलाह यही होगी कि अयोध्या में जो 5 एकड़ जमीन मस्जिद बनाने के लिए दी गई है, उस पर हम कॉलेज बना सकते हैं। हमें मस्जिद की जरूरत नहीं। नमाज तो हम कहीं भी पढ़ लेंगे, ट्रेन में, प्लेन में, जमीन पर, कहीं भी पढ़ लेंगे। लेकिन हमें बेहतर स्कूलों की जरूरत है। तालीम अच्छी मिलेगी 22 करोड़ मुसलमानों को, तो इस देश की बहुत सी कमियां खत्म हो जाएंगी।

दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर 7

रामलला को आम नागरिक की तरह कोर्ट ने क्यों दिया जमीन का हक?

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और सीनियर एडवोकेट जितेंद्र मोहन शर्मा का कहना है कि भारत में हिंदुओं के देवी-देवताओं को जूरिस्टिक पर्सन यानी लीगल व्यक्ति माना जाता है और इनको आम लोगों की तरह सभी कानूनी अधिकार होते हैं। उन्होंने बताया कि देवी-देवताओं को संपत्ति अर्जित करने, बेचने, खरीदने, ट्रांसफर करने और न्यायालय केस लड़ने समेत सभी कानूनी अधिकार होते हैं।

हिंदू देवी-देवताओं को संपत्ति अर्जित करने का मिला है कानूनी अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को अयोध्या मामले में अपना ऐतिहासिक फैसला सुना दिया। इसके साथ ही अयोध्या के करीब 500 साल पुराने विवाद का निपटारा और राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायमूर्तियों की पीठ ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाते हुए भगवान राम के बाल स्वरूप राम लला विराजमान को अयोध्या की विवादित जमीन को असली मालिक माना है। सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर निर्माण के लिए केंद्र सरकार को तीन महीने में ट्रस्ट बनाने का फरमान भी सुनाया है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को अयोध्या में ही मस्जिद निर्माण के लिए अलग से 5 एकड़ जमीन मुहैया कराने का आदेश दिया।

क्या भगवान को है संपत्ति अर्जित करने का अधिकार?

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद से चर्चा हो रही है कि क्या भगवान को संपत्ति अर्जित करने और केस करने का कानूनी अधिकार है? इस पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और सीनियर एडवोकेट जितेंद्र मोहन शर्मा का कहना है कि भारत में हिंदुओं के देवी-देवताओं को जूरिस्टिक पर्सन यानी लीगल व्यक्ति माना जाता है और इनको आम लोगों की तरह सभी कानूनी अधिकार होते हैं। उन्होंने बताया कि देवी-देवताओं को संपत्ति अर्जित करने, बेचने, खरीदने, ट्रांसफर करने और न्यायालय केस लड़ने समेत सभी कानूनी अधिकार होते हैं।

क्या कोर्ट में केस कर सकते हैं हिंदुओं के देवी-देवता?

सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट शर्मा के मुताबिक आम लोगों की तरह हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ भी केस किया जा सकता है। जब उनसे सवाल किया गया कि देवी-देवता आम इंसानों की तरह सोच और विचार नहीं कर सकता है, तो वो कैसे संपत्ति का हस्तांतरण करेंगे, तो सीनिर एडवोकेट जितेंद्र मोहन शर्मा ने कहा कि जिस तरह कंपनी लीगल पर्सन होती है और अपने डायरेक्टर या ट्रस्टी के जरिए संपत्ति अर्जित करती है और कामकाज करती है, उसी तरह हिंदू देवी-देवता भी अपने प्रतिनिधि के जरिए अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने बताया कि हिंदुओं के देवी-देवता भी कंपनी या नाबालिग की तरह संपत्ति अर्जित करते हैं और प्रतिनिधि के जरिए कोर्ट में केस लड़ते हैं। हिंदुओं के देवी-देवताओं को हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत संपत्ति के अधिकार मिलते हैं। हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ सिविल केस किए जा सकते हैं, लेकिन क्रिमिनल केस नहीं किए जा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राम लला विराजमान को माना भगवान राम का बाल अवतार

राम लला विराजमान को सुप्रीम कोर्ट में हुई लंबी बहस: सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट जितेंद्र मोहन शर्मा ने बताया कि अयोध्या मामले में भी राम लला विराजमान के केस करने और संपत्ति अर्जित करने समेत सभी कानूनी अधिकार को लेकर लंबी बहस हुई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने राम लला विराजमान और स्थल श्रीराम जन्मभूमि को लीगल पर्सन माना। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष शर्मा ने यह भी बताया कि हिंदुओं के देवी-देवताओं यानी जूरिस्टिक पर्सन को नेचुरल पर्सन यानी आम इंसानों की तरह मौलिक अधिकार नहीं दिए गए हैं। इसका मतलब यह है कि नेचुरल पर्सन को संविधान में दिए गए मौलिक अधिकार और कानूनी अधिकार दोनों दिए जाते हैं, जबकि जूरिस्टिक पर्सन यानी लीगल इंटिटी को सिर्फ कानूनी अधिकार ही दिए जाते हैं।

भारत में कब से हिंदू देवी-देवताओं को मिला कानूनी अधिकार?: भारत में हिंदू देवी-देवताओं को पहली बार साल 1888 में ब्रिटिश काल में जूरिस्टिक पर्सन माना गया था। हिंदू देवी-देवताओं को स्कूल, कॉलेज चलाने और ट्रस्ट बनाने का भी कानूनी अधिकार मिला है। मनोहर गणेश तमबेकर बनाम लखमीरम गोविंद्रम, भूपति नाथ स्मृतितीर्थ बनाम राम लाल मैत्र, रामपत बनाम दुर्गा भारती, राम ब्रह्म बनाम केदारनाथ समेत दर्जनों मामलों में पहले ही न्यायालय हिंदू देवी-देवताओं को लीगल पर्सन मान चुका है। हालांकि सभी मंदिर के देवी-देवताओं को जूरिस्टिक पर्सन नहीं माना जाता है। इसके लिए जरूरी है कि उस देवी या देवता का पूरे विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा कराई गई हो।

गूगल ट्रेंड्स: भारत के बाद नेपाल में सबसे ज्यादा अयोध्या की सर्चिंग, यहीं है माता सीता का जनकपुर

अयोध्या जमीन विवाद में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर पूरे देश में उत्सुकता थी। इसके पल-पल के अपडेट पर इंटरनेट यूजर्स की नजर थी। 9 नवंबर (शनिवार) को भारत में राम मंदिर, रामलला, अयोध्या फैसला, बाबरी मस्जिद और सुप्रीम कोर्ट इन 5 शब्दों को लेकर गूगल ट्रेंड्स के नतीजे सामने आए। भारत के बाद फैसले को लेकर सबसे ज्यादा सर्चिंग नेपाल में हुई। यहीं के जनकपुर में माता सीता की जन्मस्थली है। 9 नवंबर को गूगल के 'डेली सर्च ट्रेंड्स' में टॉप-20 ट्रेंड्स में 4 ट्रेंड्स अयोध्या के रहे। इनमें 'अयोध्या के फैसले पर पाकिस्तानी अखबार क्या बोले', 'राम मंदिर का फैसला', 'अयोध्या पर फैसले के वक्त कोर्टरूम की आंखोंदेखी', जय श्रीराम, राम मंदिर निर्णय और 'विदेशी मीडिया में छाया अयोध्या का फैसला' शामिल थे। राम मंदिर, अयोध्या, बाबरी मस्जिद, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया और राम शब्द को लेकर वर्ल्डवाइड ट्रेंड्स देखे तो पता चला कि 9 नवंबर को सबसे ज्यादा सर्चिंग राम शब्द 39 पॉइंट को लेकर हुई लेकिन दोपहर 3.46 बजे अयोध्या 100 पॉइंट, राम मंदिर 29 पॉइंट, बाबरी मस्जिद 22 पॉइंट, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया 1 पॉइंट और राम 70 पॉइंट रही। वहीं, राम मंदिर को लेकर टॉप-5 कंट्रीज के नाम सर्च करने पर सबसे ज्यादा सर्चिंग भारत में हुई। इसके बाद नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और फिर ऑस्ट्रेलिया में सर्चिंग हुई। इन्हीं शब्दों को लेकर भारत के सर्चिंग ट्रेंड्स खंगालने पर पता चला कि इन शब्दों में से सबसे ज्यादा अयोध्या 40 पॉइंट सर्च हुआ। इसके बाद राम 37 पॉइंट, राम मंदिर 16 पॉइंट और बाबरी मस्जिद 12 पॉइंट सर्च हुए। 9 नवंबर को शाम 4.20 बजे अयोध्या को लेकर सर्चिंग टॉप पर 100 पॉइंट रही। वहीं इस दौरान राम मंदिर की सर्चिंग 30 पॉइंट, बाबरी मस्जिद 21 पॉइंट और राम की 61 पॉइंट रही।

'राम मंदिर' सबसे ज्यादा बिहार में सर्च हुआ

'राम मंदिर' शब्द को लेकर सबसे ज्यादा सर्चिंग बिहार में हुई। इसके बाद उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दमन और दीप और फिर मध्यप्रदेश में सर्चिंग हुई।

तिरंगे के साथ निकला बारावफात का जुलूस

बारा वफात के जुलूस में मंदिर के पास एंबुलेंस फंसी तो मुस्लिम युवकों ने रास्ता दिया

134 साल पुराने अयोध्या विवाद पर फैसला आने के दूसरे दिन धार्मिक नगरों काशी और मथुरा में हालात सामान्य रहे। यहां सुरक्षा के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिसबल तैनात रहा, लेकिन सड़कों और बाजारों में रौनक बरकरार रही। तनाव की स्थिति नहीं नजर आई। दोनों ही शहरों में बारा वफात का जुलूस तिरंगे के साथ निकाला गया। काशी में विश्वनाथ मंदिर और घाटों में श्रद्धालु पहुंचे। मथुरा में भी यही स्थिति रही। काशी में बारा वफात के जुलूस के दौरान विश्वनाथ मंदिर के पास एक एंबुलेंस फंस गई। इस दौरान मुस्लिम युवकों ने इसे रास्ता दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों की तारीफ की, कहा- उनकी दलीलों ने सत्य और न्याय तक पहुंचाने में मदद की

सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को अयोध्या मामले में फैसला सुनाते समय पैरवी करने वाले वकीलों की तारीफ की। अदालत ने हिंदू पक्ष के वकील और पूर्व अटार्नी जनरल के परासरन (92), वकील सीएस वैद्यनाथन के साथ मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन को फैसला लिखने में मददगार बताया। अदालत ने कहा- वकीलों की तार्किक बहस से जटिल मुद्दे को समझने में मदद मिली और 1045 पन्नों का फैसला लिखा जा सका। चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की अध्यक्षता में 5 जजों की बेंच ने कहा, हम बहस की अगुवाई करने वाले के परासरन और राजीव धवन के प्रयासों की सराहना करते हैं। काम के प्रति उनकी ईमानदारी और अदालत में अपने पक्ष में उनकी स्पष्ट दलीलों ने अदालत की सुनवाई को जीवंत बनाए रखा। उनकी वजह से ही सभी पक्ष सत्य और न्याय की खोज में शामिल हुए। परासरन ने सबरीमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के मुद्दे पर भी अदालत की मदद की थी। वह 1983 से 1989 के बीच इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के प्रधानमंत्री रहने के दौरान अटार्नी जनरल रह चुके हैं। उन्हें 2003 में पद्म भूषण और 2011 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

मुस्लिम पक्ष के वकील धवन की प्रशंसा

कोर्ट ने कहा कि संवेदनशील मामले में हम मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन की मदद की प्रशंसा करते हैं। 74 साल के धवन ने 11 दिसंबर 2017 को केंद्र और दिल्ली सरकार के केस की पैरवी के दौरान हुए वाकये को 'अपमानजनक' बताते हुए वकालत छोड़ दी थी। अयोध्या केस में मुस्लिम पक्ष की पैरवी करने वाले एक वकील के अनुरोध पर धवन ने केस लड़ना स्वीकार किया था।

अदालत ने सभी वकीलों को सहायता के लिए धन्यवाद दिया

चीफ जस्टिस रंजन गोगोई के साथ जस्टिस एसए बोबड़े, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस एस अब्दुल नजीर की बेंच ने अलग-अलग पक्षकारों की तरफ से केस में शामिल वकील एसके जैन, रंजीत कुमार, जफरयाब जिलानी, मीनाक्षी अरोरा, शेखर नाफडे, विकास सिंह और पीएस नरसिम्हा को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

अतीत की सभी बातों को भुलाना होगा

अशोक भाटिया

पावन नगरी अयोध्या की रामजन्म भूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण होगो मंदिर निर्माण के लिए मयार्दा पुरषोत्तम श्री रामचंद्र जी को उनकी जन्मभूमि मिल गई। राम जीत गये और सियासी रावण हार गये 9 नवम्बर, 2019 का दिन इतिहास में इस अनूठे, विलक्षण, साहसिक एवं न्यायपूर्ण फैसले के लिये याद किया जायेगा, सुप्रीम कोर्ट में जो कुछ घटित हुआ, उसके बाद राष्ट्रीय जीवन के हर क्षेत्र में जो उजाला उतर आया वह इतिहास के पृष्ठों को तो स्वर्णिम करेगा ही, भारत के भविष्य को भी लम्बे समय से चले आ रहे विवाद के धुंधलकों से मुक्ति देगा। धर्म और धर्म-निरपेक्षता इन शब्दों को हम क्या-क्या अर्थ देते रहे हैं? जबकि धर्म तो निर्मल तत्व है। लेकिन जब से धर्मनिरपेक्षता शब्द की परिभाषा हमारे कर्णधारों ने की है, तब से हर कोई कट्टर हो गया था। सभी कुछ जैसे बंट रहा था, टूट रहा था। बंटने और टूटने की जो प्रतिक्रिया हो रही थी, उसने राष्ट्र को हिला कर रख दिया था, उससे मुक्त होने का अवसर उपस्थित हुआ है, ऐसा लग रहा है एक नया सूरज उदित हुआ है। इससे भारतीयता एवं भारत की संस्कृति को नया जीवन मिला है। इस विवाद के समापन की दिशा में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुरूप परस्पर विवाद को समाप्त करने वाली पहल सरकार की ओर से शीघ्रतापूर्वक हो, अतीत की सभी बातों को भुलाकर हम सभी श्री रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर के निर्माण में साथ मिल-जुल कर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करें, यह अपेक्षित है।

श्री राम का भव्य मंदिर उनकी जन्मभूमि में बने, यह आस्था एवं विश्वास से जुड़ा ऐसा संवेदनशील मसला था जिसे धर्म ईमामों ने अपनी गठरी में बन्द कर रखा था। जो मन्दिरों के घण्टे और मस्जिदों की अजान तथा खाड़कुओं एवं जंगजुओं की एके-47 में कैद रहा। जिसे धर्म के मठाधीशों, महंतों ने चादर बनाकर ओढ़ लिया। जिसको आधार बना कर सात दशकों से राजनीतिज्ञ वोट की राजनीति करते रहे, जो सबको तकलीफ दे रहा था, जिसने सबको रुलाया, अब सारे कटू-कड़वे घटनाक्रमों का पटापेक्ष जिस शालीन, संयम एवं सौहार्दपूर्ण स्थितियों में हुआ है, यह एक सुखद बदलाव है, एक नई भोर का अहसास है। शांति एवं सौहार्द की इन स्थितियों को सुदीर्घता प्रदान करने के लिये हमें सावधान रहना होगा, संयम का परिचय देना होगा। लेकिन यहां इससे भी महत्वपूर्ण वह नजरिया है, जो सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर पूरे समाज में अपनी जगह बनाता दिख रहा है। पूरा मसला काफी नाजुक और विवादास्पद रहा है, इसलिए यह डर इस मुकदमे से हमेशा जुड़ा रहा कि फैसला किसी एक पक्ष में जाने पर, दूसरे पक्ष की प्रतिक्रिया न जाने क्या होगी ? लेकिन पिछले कुछ दिनों से सभी ने यह कहना शुरू कर दिया है कि फैसला चाहे कुछ भी हो, वह उन्हें स्वीकार्य होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने सहयोगी संगठनों को यह निर्देश तक दिया था कि फैसला अगर उनके पक्ष में जाता है, तो खुशी मनाने का अतिरिक्त किसी भी तरह से कुछ दिखना नहीं चाहिए और इसका पालन भी हुआ । बढ़-चढ़कर खुशी मनाना दूसरे पक्ष को आहत भी कर सकता है, लगभग ऐसे ही अनुशासन एवं संयम बरतने की बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहीं, यह एहसास बनना हमारी राजनीति का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है और इसी से भारत की संस्कृति को नया परिवेश मिल सकेगा।

यूपी बनाऐगा देश को 5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमीः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने में यूपी अहम भूमिका निभाएगा। शुक्रवार को प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को एक ट्रिलियन डॉलर किए जाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व बैंक, एडीबी, आईआईएम कंसल्टेंट फॉर्म्स, पीडब्ल्यूसी के सुझावों का प्रस्तुतिकरण देखा।

लोकभवन में आयोजित बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 ट्रिलियन इकॉनमी के लक्ष्य को पाने में यूपी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके लिए जरूरी है कि यूपी एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने आधारभूत संरचना के विकास, कौशल विकास के जरिये रोजगार पैदा करने जैसे कई कदम उठाए हैं। इन कदमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दो कैबिनेट और एक उच्चस्तरीय समितियां गठित की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में देश की आबादी के करीब 17 फीसदी लोग रहते हैं, लेकिन देश की जीडीपी में इसका हिस्सा सिर्फ आठ फीसदी से कुछ अधिक है। इसी गैप के नाते यहां संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं। इन संभावनाओं के बेहतर फायदे के लिए निवेशक आगे आएं। इसके लिए हर क्षेत्र में नई और बेहतर पॉलिसी बनाई गई हैं। सीएम ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भी यूपी की रैंकिंग सुधरी है। ढाई साल में प्रदेश के प्रति लोगों का नजरिया बदला है। लोकभवन में हुई बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री सतीश महाना, सिद्धार्थ नाथ सिंह, महेंद्र सिंह, गोपाल टंडन, श्रीकांत शर्मा समेत कई विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कोई नोटबंदी नहीं रोक पाएगी, 2022 में एसपी बनाएगी सरकारः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2022 में प्रदेश में अपनी पार्टी की सत्ता में वापसी पर भरोसा जताया है। शुक्रवार को अखिलेश ने कहा कि अब कोई नोटबंदी या गुमराह करने वाला नशा उन्हें और उनकी पार्टी को रोक नहीं सकता है। नोटबंदी के दौरान तीन साल पहले बैंक की लाइन में पैदा हुए बच्चे खजांची के जन्मदिन समारोह से इतर मीडिया से बातचीत में अखिलेश ने कहा कि नोटबंदी और जीएसटी से मिले जख्म अब ज्यादा गहरे हो गए हैं।

अखिलेश ने आगे कहा, 'जब से मैंने लोगों के चेहरे पढ़े हैं, उनकी परेशानी देखी है, भरोसा हो गया है कि प्रदेश में अगली सरकार एसपी की बनेगी। इस बार ना उसे नोटबंदी रोक सकती है और ना ही जीएसटी। वह नशा भी नहीं रोक पाएगा, जो लोगों को गुमराह कर देता है। आज नौकरी और रोजगार का सवाल ज्यादा बड़ा हो गया है। अखिलेश ने कहा कि हाल ही में उपचुनावों में जनता ने एसपी का साथ दिया है और हमें यकीन है कि 2022 में भी हाथ नहीं छोड़ेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि भले ही ईवीएम के जरिए हुए उपचुनावों में एसपी को जीत और जनता का समर्थन मिला हो लेकिन वह मतपत्रों के जरिए चुनाव की मांग करती रही है और आगे भी करती रहेगी।

अखिलेश ने नोटबंदी पर तंज करते हुए कहा कि उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है खजांची का बैंक की लाइन में जन्म होना। उन्होंने कहा, ह्यभ्रष्टाचार खत्म हुआ हो या नहीं, कालाधन खत्म हुआ हो या नहीं, आतंकवाद खत्म हुआ हो या न हुआ हो, कम से कम खजांची तो पैदा हुआ लेकिन अगर उसके जीवन में बदलाव नहीं आया तो समझिए हममें से किसी का जीवन नहीं बदला। एसपी अध्यक्ष ने सरकार से पूछा कि आखिर बाजार में कितनी नकदी है और कितना निवेश आया है? देश में बेरोजगारी बढ़ी है, जीडीपी घटी है, पड़ोसी देशों के मुकाबले हमारा रुपया गिर रहा है। केंद्र सरकार पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था अगर वैसी ही होती जैसा कि बीजेपी कह रही है तो शायद इतने बैंक नहीं डूबते। अखिलेश ने प्रदेश के ऊर्जा विभाग में हुए कर्मचारी भविष्य निधि घोटाले से जुड़े एक सवाल पर कहा कि सब जानते हैं कि इस मामले में सरकार किसे बचा रही है। सरकार यह नहीं बता रही है कि निजी बैंक में गलत तरीके से धन का लेन-देन किन-किन तारीखों में हुआ। जनता इस बारे में सबकुछ जानना चाहती है। यह कर्मचारियों की भविष्य निधि का सवाल है। सरकार को जनता को सच बताना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। इतना भ्रष्टाचार पहले कभी नहीं रहा। ऐसा कोई विभाग नहीं है, जहां भ्रष्टाचार न हो। पुलिस जितना अन्याय कर रही है उसे सोचा भी नहीं जा सकता। बहन-बेटियां पहले कभी इतनी असुरक्षित नहीं थीं। हर जगह बीजेपी के लोग अपराधियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। अखिलेश ने इस मौके पर गेस्ट हाउस मामले में एसपी संस्थापक मुलायम सिंह यादव के खिलाफ दर्ज मामला वापस लेने के लिये बीएसपी अध्यक्ष मायावती को धन्यवाद भी दिया।

वकीलों ने चैंबर में घुसकर जज को पीटा

बाराबंकी। वकीलों ने शुक्रवार को नगर के मोटर वाहन दावा अधिकरण के कार्यालय में घुसकर न्यायाधीश संजय जैन के साथ मारपीट की। वकीलों ने जज को चैंबर से बाहर घसीटने व उनके गनर की कार्बाइन छीनने का भी प्रयास किया। 20 मिनट तक कोर्ट परिसर में अराजकता का माहौल रहा। अधिकारियों के पहुंचने पर वकील नारेबाजी करते हुए जज के चैंबर से बाहर निकल गए। पुलिस ने 50 अज्ञात वकीलों के खिलाफ बलवा व मारपीट करने की धाराओं में केस दर्ज किया है।

न्यायाधीश संजय जैन की ओर से दी गई तहरीर के मुताबिक शुक्रवार दोपहर वह चैंबर में आशुलिपिक अजीत प्रताप सिंह से आवश्यक आदेश टाइप करवा रहे थे। 12:30 बजे 50 वकील अधिकरण के कार्यालय में घुस आए। गालियां देते हुए बोले, आज हड़ताल है। तुम बहुत काम करते हो, देखें काम कैसे करोगे। इसके वकीलों ने बाद मेरा कॉलर पकड़कर घसीट लिया और मारपीट की। वकील मुझे बाहर घसीटने लगे तो गनर अवधेश ने उन्हें रोकने की कोशिश की। वकीलों ने उसकी कार्बाइन छीनने की कोशिश की। अधीनस्थ स्टाफ विडियो बनाने लगा तो वकीलों उनके मोबाइल फोन छीन लिए। एसडीएम सदर अभय कुमार पांडेय ने बताया कि वकीलों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पहचान होते ही ऐक्शन लिया जाएगा।

करतारपुर साहिब के दर्शन कराएगी केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत दिल्ली सरकार गुरुद्वारा करतारपुर साहिब की भी यात्रा कराएगी। यात्रा पर आने वाला सभी खर्च दिल्ली सरकार खुद वहन करेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि कैबिनेट से मंजूरी के बाद इस प्रस्ताव की बारीकियों पर काम करने के लिए इसे राजस्व विभाग के पास भेजा गया है।

सिपाही को टॉइलट में बंद करके महिला कस्टडी से फरार

नई दिल्ली। अदालत ने घर में घुसकर मारपीट के मामले में आरोपियों को जुडिशल कस्टडी में भेजने का आदेश दिया। एक सब इंस्पेक्टर, दो पुरुष और एक महिला सिपाही आरोपियों को लेकर मंडोली जेल पहुंचे। जेल की महिला ड्यूटी ऑफिसर ने एक महिला कैदी का गाइनोकॉलजिस्ट टेस्ट नहीं होने की जानकारी दी। इसलिए चारों पुलिस वाले महिला आरोपी को लेकर जीटीबी अस्पताल आ गए। महिला आरोपी ने टॉइलट जाने की बात कही, तो विमिन कॉन्स्टेबल उसे लेकर गई। आरोप है कि टॉइलट के गेट पर पहले से दो शख्स मौजूद थे, जिन्होंने महिला सिपाही को टॉइलट के भीतर बंद कर दिया। इसके बाद महिला आरोपी को कस्टडी से लेकर फरार हो गए। महिला कॉन्स्टेबल की शिकायत पर जीटीबी एनक्लेव थाने में आईपीसी की धारा 224 (पुलिस कस्टडी से फरार होने) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस के मुताबिक, रोहिणी जिले के विजय विहार थाना इलाके में घर में घुसकर मारपीट के मामले में विमला (48) को गिरफ्तार किया गया था।

बिहारः सड़क निर्माण में धांधली पर बीजेपी चीफ का पत्र, सियासत गरम

पटना। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की बिहार इकाई के अध्यक्ष और सांसद डॉ. संजय जायसवाल द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर सड़क निर्माण में धांधली का आरोप लगाए जाने के बाद राज्य की सियासत गरमा गई है। आरजेडी और कांग्रेस ने जहां सरकार पर निशाना साधा है, वहीं जेडीयू और बीजेपी बचाव में आ गई है। आरजेडी विधायक विजय प्रकाश ने कहा कि उनकी पार्टी भ्रष्टाचार को लेकर प्रारंभ से ही सवाल उठा रही है, अब तो सरकार के सहयोगी ने भी असलियत सामने रख दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बराबर यात्रा करते हैं, पहले उन्हें भ्रष्टाचार को लेकर जवाब देना चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधान पार्षद प्रेमचंद्र मिश्रा ने कहा कि बीजेपी अध्यक्ष को अगर सरकार में इतना ही भ्रष्टाचार नजर आ रहा है, तो बीजेपी को सरकार से अलग हो जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में है और राज्य में गुणवत्ता के अनुसार सड़क नहीं बन रही है, तो इसकी शिकायत करने के बजाय उन्हें सरकार से अलग हो जाना चाहिए। इस बीच, बीजेपी इस पत्र को लेकर सांसद के बचाव में उतर आई है। बीजेपी के विधान पार्षद सच्चिदानंद राय ने कहा कि सांसद ने एक जनप्रतिनिधि का धर्म निभाया है। उनके क्षेत्र में जब सड़क बनाने में अनियमितता हो रही है, तो कोई भी जनप्रतिनिधि इसकी शिकायत करेगा। जेडीयू के वरिष्ठ नेता ललन पासवान ने पत्र को लेकर कोई सीधा जवाब तो नहीं दिया, परंतु इतना जरूर कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास है, और सदियों से जहां सड़कें नहीं थीं, वहां आज सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि बीजेपी अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने गुरुवार को मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर 14 हजार ग्रामीण सड़कों में खामियों (अनियमितता) का जिक्र किया है और उसकी ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए इसकी उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की मांग की है।

डॉ. जायसवाल ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में स्पष्ट कहा है कि चंपारण में 14 हजार ग्रामीण सड़कों के निर्माण में अभियंता, ठेकेदारों और राजनेताओं की मिलीभगत से हुई अनियमितता की ओर ध्यान आकृष्ट करा रहा हूं।

देखें, सीजन की पहली बर्फबारी से 'जन्नत' बना गुलमर्ग

सीजन की पहली बर्फबारी से 'जन्नत' बना गुलमर्ग
कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी बुधवार से जारी है। मैदानी इलाकों में भी तापमान कम होने लगा है। इस सुहाने मौसम का लुत्फ लेने के लिए सैलानी भी पहुंच रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी बर्फ की चादर में लिपटी वादियों का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो गुलमर्ग के लिए अपना बैग पैक कर लिजिए। यहां हम आपको गुलमर्ग की कुछ खूबसूरत तस्वीरें दिखा रहे हैं।

पर्यटकों का पसंदीदा स्पॉट
गुलमर्ग जम्मू और कश्मीर का खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशन के साथ पर्यटकों का पसंदीदा स्पॉट भी है।

सर्दी में बढ़ जाती है खूबसूरती
कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित गुलमर्ग की खूबसूरती सर्दी के मौसम में बर्फबारी के साथ ही काफी बढ़ जाती है।

दुनिया का सबसे ऊंचा गोल्फ कोर्स
गुलमर्ग सिर्फ एक हिल स्टेशन ही नहीं है, बल्कि दुनिया का सबसे ऊंचा गोल्फ कोर्स भी है। यहां दुनियाभर में फेमस स्की रेजॉर्ट भी स्थित है।

स्कीइंग के लिए फेमस
अगर आपको अडवेंचर के शौकीन हैं, तो गुलमर्ग घूमने जाइए। मौसम और खूबसूरत वादियों के साथ यह स्कीइंग के लिए भी काफी मशहूर है। स्कीइंग के मामले में गुलमर्ग को दुनिया की बेस्ट जगहों में गिना जाता है।

करें स्नो बाइकिंग
सिर्फ स्कीइंग ही नहीं, यहां आप स्नो बाइकिंग यानी बर्फ पर बाइक चलाने का भी आनंद उठा सकते हैं।

गॉनडोला केबल कार भी मौजूद
स्की रेजॉर्ट के अलावा यहां गॉनडोला केबल कार भी मौजूद है, जिसके जरिए आप बर्फ से ढके पहाड़ों का आनंद ले सकते हैं।

खिलनमर्ग
गुलमर्ग में ही खिलनमर्ग नाम की खूबसूरत घाटी है, जहां फूलों और पहाड़ों के साथ बहुत सुंदर दृश्य देखने को मिलते हैं।

निंगली नल्लाह
गुलमर्ग से करीब 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है निंगली नल्लाह नाम की एक छोटी नदी या जलधारा।

झेलम में गिरती है निंगली नल्लाह
निंगली नल्लाह जलधारा अफरवात चोटी से पिंघलती हुई बर्फ और अलपाथर झील के पानी से बनती है और सफेद बर्फ की तरह चमकती हुई झेलम नदी में गिरती है।

स्नो फेस्टिवल
सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में स्नो फेस्टिवल का आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में टूरिस्ट शामिल होते हैं। यह फेस्टिवल जनवरी में होता है।

तीन दिनों का स्नो फेस्टिवल
तीन दिनों तक चलने वाले इस फेस्टिवल के दौरान साइकलिंग, स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग, बेस बॉल आदि का मजा लिया जा सकता है।

सांप पालने का शौक ही बन गई मौत की वजह!

सांप का नाम सुनकर ही दिल में डर पैदा हो जाता है, तो उन्हें घर में पालने का सवाल ही नहीं उठता। ऐसा सामान्य लोग सोचते हैं और सांपों के इर्द-गिर्द नहीं जाते हैं। वहीं, अमेरिका के इंडियाना राज्य की एक महिला को सांप पालने का शौक था, लेकिन जब उसकी मौत हुई तो उसके गले में 8 फीट लंबा अजगर लिपटा हुआ था।
मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 36 वर्षीय मृत महिला का नाम लॉरा हर्स्ट है, जो ऑक्सफोर्ड शहर की रहने वाली थी। वह महिला अपने घर में मृत पाई गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। रिपोर्ट में बताया गया है कि लॉरा हर्स्ट के घर में 140 सांप पाए गए हैं। उन्हें देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि वे वहीं पर रहते हैं। उनमें से 20 सांप लॉरा हर्स्ट के थे। वह सप्ताह में दो बार उस जगह पर आती थीं। वह सांपों की ब्रीडिंग कराती थीं और उनको बेचती थीं।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
संतान की चिंता रहेगी। थोड़े प्रयास से अधिक लाभ होगा। भागदौड़ रहेगी। शत्रु भय रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धनार्जन होगा।

सिंह
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी।

धनु
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कुसगंति से बचें। राजकीय बाधा दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें।

वृष
शुभ समाचार मिलेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। विवाद से बचें। सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा।

कन्या
नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर
भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति होगी। घर में तनाव संभव है। जीवनसाथी की चिंता रहेगी।

मिथुन
भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग अनुकूल रहेंगे।

तुला
पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

कुंभ
स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु परास्त होंगे। लाभ होगा।

कर्क
फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी।

वृश्चिक
चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। मानसिक अशांति बढ़ेगी।

मीन
व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। अशुभ सूचना मिल सकती है। मानसिक अशांति बढ़ेगी। विवाद से क्लेश संभव है।

हिमाचल की शीतकालीन राजधानी धर्मशाला के ये हैं प्रमुख पर्यटन स्थल

भारत में दलाई लामा निवास स्थान और विशाल तिब्बती बस्तियों के रूप में जाने वाला धर्मशाला एक छोटा सा हिल स्टेशन है जो हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा घाटी में धौलाधर पर्वत श्रृंखला के ऊपर स्थित है। धर्मशाला में पर्यटकों के घूमने के लिए कई स्थान है अगर आप धर्मशाला घूमने जाएं तो इन स्थानों की सैर जरूर करें। यहां हम आपको धर्मशाली के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी दे रहे हैं। साथ ही धर्मशाला को छुट्टियों के लिए चुनने से पहले आपको यह जानना होगा की धर्मशाला कैसे पहुंचे।

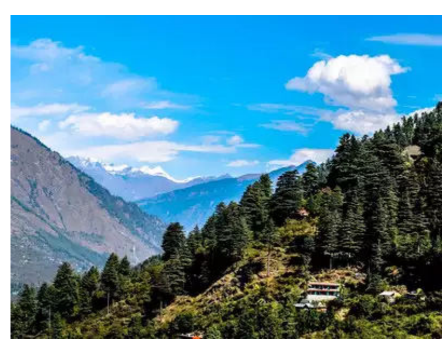

भागसुनाग
भागसुनाग मंदिर उतना ही पुराना है जितना डल झील है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसकी उत्पत्ति दैत्य राजा भागसु और नागों के देवता (नागराज) के बीच एक विशाल लड़ाई से हुई थी। हालांकि इसका कई बार पुनर्निर्माण किया गया है और यह वर्तमान में सफेद टाइलों से ढका हुआ है। इस जगह में कुछ तो ऐसा जरूर है जो अपनी ओर खींचता।

डल झील
पौराणिक कथाओं के अनुसार कैलाश पर्वत के नीचे पवित्र मणिमहेश झील में स्नान करते वक्त एक राजा ने अपनी एक सोने की अंगूठी खो दी थी। उसके बाद अंगूठी डल झील में आ गई। यह जल निकाय उन गरीब व्यक्तियों के लिए मणिमहेश (कैलाश में स्थित झील) मानी जाता थी। जो मोक्ष की प्राप्ति के लिए कैलाश तक स्नान के लिए नहीं जा सकते। हालांकि आज यह एक तालाब से ज्यादा कुछ नहीं है फिर भी स्थानीय लोगों के लिए यह झील पवित्र है। यह झील यात्रा के लायक है।

तिब्बतन इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट
थिएटर तिब्बती संस्कृति का एक बड़ा हिस्सा है। यहां पारंपरिक शैली में नाटक की प्रस्तुति की जाती है। दलाई लामा के कारण ही यह संरक्षित है जिन्होंने तिब्बती इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट की स्थापना की है। आज, यह केवल स्थानीय लोगों के लिए ही नहीं बल्कि बाहर से आने वालों के लिए भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। लोग यहां 10 दिनों तक चलने वाली वार्षिक शोटन महोत्सव को देखने के लिए आते हैं। तिब्बती इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट के सदस्यों द्वारा ड्रम, झांझ, शानदार वेशभूषा और दिलचस्प किरदारों का प्रदर्शन किया जाता है। ये नजारा देखने में काफी सुंदर होता है।

नोर्बुलिंग्का संस्थान
धर्मशाला के पास महत्वपूर्ण तिब्बती संस्थानों में से एक नोर्बुलिंग्का सदियों पुरानी तिब्बती वास्तुकला के आकर्षण का प्रतीक है और इसका नाम ल्हासा के निकट लामा के ग्रीष्मकालीन महल के नाम पर रखा गया। सात एकड़ में फैली इस पारंपरिक तिब्बती इमारत का निर्माण उन निपुण कारीगरों द्वारा किया गया था जो तिब्बत से दलाई लामा के साथ भाग गए थे। इस इमारत के परिसर में एक मंदिर, पुस्तकालय, कॉलेज, डिजाइन स्टूडियो, गेस्ट हाउस, और एक कैफे शामिल हैं। सुंदर बगीचों के बीच स्थित घुमावदार रास्ते, बहती नदियां, झरने, पुलों और तालाबों के साथ-साथ धौलाधार पहाड़ों का अदभुत नजारा दिखाई देता है। यहां आप गेस्टहाउस में ठहर सकते हैं और यहां की तिब्बती संस्कृति में खुद को डुबा सकते हैं।

भारत 2023 में लगातार दूसरे पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने शुक्रवार को यहां भारत को 2023 पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी के लिए चुना, जिससे देश लगातार दूसरी बार इस प्रतियोगिता का आयोजन करेगा। एफआईएच के अनुसार पुरुष हॉकी विश्व कप भारत में 13 से 29 जनवरी तक खेला जाएगा। एफआईएच की साल की अंतिम बैठक शुक्रवार को हुई और इसके कार्यकारी बोर्ड ने यह फैसला किया।

इसी बैठक में फैसला किया गया कि स्पेन और नीदरलैंड एक से 22 जुलाई तक आयोजित होने वाले 2022 महिला विश्व कप के सह मेजबान होंगे। पुरुष और महिला दोनों विश्व कप के स्थलों की घोषणा बाद में मेजबान देशों द्वारा की जाएगी। भारत इस तरह चार पुरुष हॉकी विश्व कप का आयोजन करने वाला पहला देश बन गया। वह इससे पहले 1982 में मुंबई में, 2010 में नयी दिल्ली और 2018 में भुवनेश्वर में इस टूर्नामेंट का आयोजन कर चुका है।

नीदरलैंड ने तीन पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी की है। भारत 2023 में स्वतंत्रता के 75 साल पूरे करेगा इसलिए हॉकी इंडिया इस मौके पर देश में इस खेल के विकास को दर्शाने के लिए विश्व कप की मेजबानी करना चाहता था। पुरुष विश्व कप के अगले चरण की मेजबानी के लिए भारत सहित तीन देशों (बेल्जियम और मलेशिया अन्य दो देश) ने दावेदारी पेश की थी। महिला विश्व कप के लिए पांच देशों - जर्मनी, स्पेन, नीदरलैंड, मलेशिया और न्यूजीलैंड - ने बोली लगाई थी। 2023 विश्व कप का प्रारूप पिछले चरण की तरह ही होगा। एफआईएच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थिएरी वेल ने कहा कि खेल के विकास के अलावा टूर्नामेंट से मिलने वाले फायदे को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया। उन्होंने कहा, एफआईएच को इन प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए शानदार बोली प्राप्त हुई। फैसला करना मुश्किल था। एफआईएच का मुख्य लक्ष्य खेल का दुनिया भर में विकास करना है जिसके लिए निश्चित रूपसे निवेश की जरूरत है इसलिए प्रत्येक बोली में मिलने वाले लाभ ने फैसला करने में अहम भूमिका निभाई। विश्व कप के अलावा भारत ने हाल में कुछ बड़े हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन किया है जिसमें 2014 में एफआईएच चैम्पियंस ट्राफी, 2016 में जूनियर पुरुष विश्व कप, 2017 में एफआईएच हॉकी विश्व लीग फाइनल, 2019 में एफआईएच पुरुष सीरीज फाइनल्स शामिल हैं और हाल में एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वॉलिफायर का समापन हुआ है।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष मोहम्मद मुश्ताक अहमद ने कहा, हम खुश हैं कि हम 2023 पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी की बोली जीतने में सफल रहे। जब हमने दावेदारी पेश की थी तो हम अपने देश को स्वतंत्रता के 75 साल का जश्न मनाने के लिए एक और कारण देना चाहते थे क्योंकि हमने अंतिम बार यह टूर्नामेंट 1975 में जीता था।

पिछले 5 वर्षों में गेंदबाजों के लिए 'महाकाल' साबित हुए रोहित, कई मामलों में विराट पर भारी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल सीरीज के पहले मैच, जो दिल्ली में खेला गया, में भारत को हैरान करने वाली हार का सामना करना पड़ा। यह टी-20 क्रिकेट में भारत की बांग्लादेश के खिलाफ पहली हार थी। इस हार से 'गुस्साए' कप्तान रोहित शर्मा ने अगले ही मैच में ताबड़तोड़ 43 गेंदों में 85 रन ठोकते हुए टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। उन्होंने अपनी तूफानी पारी में 6 चौके और 6 छक्के जड़े। इसमें से 3 तो उन्होंने लगातार एक ही ओवर कूट डाले थे।

यह तो सभी जानते ही हैं कि यह पहला मौका नहीं था, जब रोहित शर्मा विपक्षी गेंदबाजों पर इस तरह बेरहमी से टूटे थे। देखा जाए तो पिछले 5 वर्षों में हिटमैन के बल्ले से क्रिकेट फैन्स को इस तरह कई तूफानी और ऐतिहासिक पारी देखने को मिली है। मौजूदा दौर के रन मशीन कहे जाने वाले विराट कोहली भी कई मामले में उनसे पिछड़े नजर आते हैं। पूर्व तूफानी ओपनर वीरेंदर सहवाग का वह बयान (जिसमें उन्होंने कहा- जो रोहित कर सकते हैं, वह विराट नहीं) इस बात की पुष्टि भी करता है।

राजकोट में खेला गया दूसरा मैच रोहित के टी-20 इंटरनेशनल करियर का 100वां मैच थे, जिसे यादगार बनाने में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। हाल ही में खत्म हुई साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में उन्होंने 500 से अधिक रन ठोके थे, जिसमें लगातार 3 मैचों में 3 शतक भी शामिल थे। इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में धुरंधर गेंदबाजों की जमकर खबर ली थी और वर्ल्ड रेकॉर्ड 5 शतक जड़े थे।

ऋषभ पंत के 'फ्लॉप शो' और धोनी की गैरमौजूदगी पर सवाल

कोलकाता। विकेट के पीछे और बल्ले से संघर्ष कर रहे ऋषभ पंत का बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने समर्थन करते हुए कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज शानदार खिलाड़ी है और समय के साथ उनके खेल में निखार आएगा। पंत बांग्लादेश के खिलाफ मौजूदा सीरीज में खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। गांगुली से जब पूछा गया कि क्या उन्हें विकेट के पीछे महेंद्र सिंह धोनी की कमी खल रही है तो उन्होंने कहा, वह (पंत) शानदार खिलाड़ी है। उन्हें थोड़ा समय देने की जरूरत है, वह अच्छा करेंगे।

गांगुली ने कहा, वह धीरे-धीरे परिपक्व होंगे, आपको उन्हें समय देना होगा। भारतीय टीम ने गुरुवार को शानदार खेल दिखाया। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में 26 गेंद में 27 रन बनाने वाले पंत की खराब विकेटकीपिंग और गलत डीआरएस का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा था और बांग्लादेश की टीम पहली बार टी20 में भारत को हराने में सफल रही।

दूसरे टी20 में उन्होंने आसान स्टंपिंग की, लेकिन विकेट के आगे गेंद पकड़ने के कारण यह ना-बॉल हो गई। उन्होंने हालांकि इसके बाद शानदार रन आउट और स्टंपिंग करके खुद से दबाव कुछ कम किया।

साउथ अफ्रीका के युवा क्रिकेटरों को संवारने के लिए तैयार हैं हाशिम अमला

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट इस समय बुरे दौर से गुजर रही है। टीम अपनी पुरानी साख के मुताबिक खेल नहीं पा रही है। एबी डि विलियर्स और हाशिम अमला के संन्यास के बाद जो सूनापन टीम की बल्लेबाजी में आया है उसे अभी तक भरा नहीं जा सका है, जिसकी बानगी टीम के हाल ही में भारत दौरे पर भी देखने को मिली। अमला को हालांकि लगता है कि यह सिर्फ समय की बात है।

अमला को विश्वास है की उनकी टीम दमदार वापसी करेगी और वह इसमें योगदान देने के लिए देश के युवा बल्लेबाजों के साथ अपना अनुभव साझा करने के लिए भी तैयार हैं। पूर्व कप्तान ने आईएएनएस से कहा कि लंबी योजना देश के युवा बल्लेबाजों की मदद करना और उन्हें मैदान पर लाने की होनी चाहिए। उनका मानना है कि यह दौर हर टीम के साथ आता है जब वह वरिष्ठ खिलाड़ियों के संन्यास के बाद रीबिल्डिंग के दौर से गुजर रही होती है।

अमला ने कहा, मैंने अभी संन्यास लिया है और जब हम खेल रहे थे, तब हमने लड़कों की मदद करने की कोशिश की। दक्षिण अफ्रीकी टीम के पास अनुभव है। उनके पास क्विंटन डी कॉक, फाफ डु प्लेसिस, कागिसो रबाडा जैसे खिलाड़ी हैं। यह खिलाड़ी लंबे समय से खेल रहे हैं। अमला से जब पूछा गया कि क्या वो संन्यास से वापस आ सकते हैं तो उन्होंने कहा, ह्यएक खिलाड़ी के तौर पर कोई चांस नहीं है। भारत में टीम को मिली करारी हार पर अमला ने कहा कि एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर इसे देखना दुखद था। उन्होंने कहा, ह्यजाहिर सी बात है, कोई भी जो टीम का साथ देता होगा, वो इस तरह की हार से निराश होगा। मैं जानता हूं कि हर खिलाड़ी ने अपनी पूरी कोशिश की, लेकिन भारतीय टीम बेहतर निकली। हमारे पास मौके थे लेकिन हम ज्यादा देर तक उन्हें अपने पास नहीं रख सके।' उन्होंने आगे कहा, 'एक क्रिकेट प्रशंसक के तौर पर यह निराशाजनका था लेकिन दक्षिण अफ्रीकी टीम को जानते हुए, जिसके साथ मैं लंबे समय से रहा हूं, इस तरह के पल आते हैं और टीम इनसे मजबूती से वापसी करती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एक्शन ड्रामा 'आरटी66' में शामिल हुई श्रुति हासन

अभिनेत्री श्रुति हासन को तेलुगु फिल्म 'आरटी66' में फीमेल लीड निभाने के लिए शामिल किया गया है। गोपीचंद मलीनेनी द्वारा निर्देशित इस एक्शन ड्रामा फिल्म में रवि तेजा एक पुलिस अफसर के किरदार में हैं। श्रुति ने इस खबर को अपने प्रशंसकों संग साझा करने के लिए ट्वीट किया, इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर और रवि तेजा व गोपीचंद संग काम करने के लिए बेहद रोमांचित हूं। श्रुति और तेजा इससे पहले 'बलुपू' और 'डॉन सीनू' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। एक्टिंग के अलावा, श्रुति अपने म्यूजिकल करियर में भी काफी सक्रिय हैं। लंदन में हाल ही के कुछ कार्यक्रमों में उन्होंने परफॉर्म भी किया।

रीमेक नहीं ओरीजनल फिल्म होगी अक्षय की बेल बॉटम

खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार की पहली सौ करोड़ी फिल्म के रूप में चर्चित फिल्म बेल बॉटम उनके करियर की वह बड़ी गलती ठीक करने की कोशिश करने जा रही है, जो अक्षय अपनी एक और फिल्म एक्शन रिप्ले में कर चुके हैं। एक्शन रीप्ले में अक्षय कुमार और ऐश्वर्या राय ने मिलकर 70 के दशक में लौटने की कोशिश की थी। फिल्म एक गुजराती नाटक पर आधारित थी और बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही थी। अक्षय कुमार भी इन दिनों सलमान खान, शाहरुख खान और ऋतिक रोशन की राह पर चल पड़े हैं। हिंदी सिनेमा में बड़े सितारों के साथ फिल्म बनाने का ये नया फॉमूर्ला है जिसकी शुरूआत सलमान खान की फिल्म रेस 3 से मानी जाती है। इस फॉर्मूले में कलाकार फिल्म में काम करने की फीस नहीं लेते हैं लेकिन फिल्म के रिलीज होने के बाद होने वाली कमाई का पहला बड़ा हिस्सा उन्हें ही जाता है। ऋतिक रोशन ने फिल्म वॉर में और सलमान खान ने फिल्म रेस 3 में इसी तरह 100 करोड़ रुपये से ऊपर की कमाई की। फिल्म निमार्ता वाशु भगनानी ने इसी तरह की पेशकश अक्षय कुमार को की। इसी फॉर्मूले की तहत अक्षय कुमार ये फिल्म करने जा रहे हैं। अक्षय के आधिकारिक प्रवक्ता ने इस बारे में संपर्क किए जाने पर पैसे की बात पर तो टिप्पणी करने से इंकार किया लेकिन फिल्म की प्रक्रिया शुरू होने की बात स्वीकारी।

वरुण की फोटोग्राफर बनी श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म 'स्ट्रीट डांसर 3डी' खूब चर्चा में है। वहीं हाल ही में दोनों स्टार्स को एक साथ स्पॉट किया गया। दोनों ही सितारे एक फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए एक साथ गए थे। स्क्रीनिंग के दौरान वरुण के एक फैन ने उनके साथ फोटो खीचंने के लिए कहा था तो श्रद्धा उनके लिए उनकी फोटोग्राफर बन गईं। ये देखकर वरुण काफी खुश हो गए और श्रद्धा की काफी तारीफ करने लगे। बता दें कि इस फिल्म के लिए रेमो डिजूसा की पहली पंसद कैटरीना कैफ थी लेकिन वो उस वक्त 'भारत' में काम कर रही थी जिसके कारण बाद ये फिल्म श्रद्धा कपूर को दी गई। श्रद्धा कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'बाघी 3' में नजर आएंगी। खबर आई थी कि फिल्म में श्रद्धा कपूर एक एयर होस्टेस के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म के मेकर्स श्रद्धा के किरदार पर काम कर रहे हैं ताकि बड़े पर्द पर उनका किरदार अच्छे से उभर कर आए। वहीं श्रद्धा भी अपने किरदार को लेकर काफी सिरियस नजर आ रही हैं।